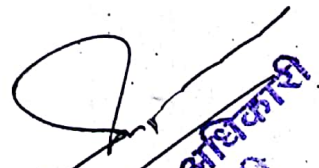


13.6.18 पत्रावली रायल्व लोक अडापत आमी पात
 में अरुण केर केरु श्री.पे. पापला
 कलां में घेरा डई। गुणी की ओर
 से परेकार सुकार नत (कोरी) उप।
 विद्यापी अनुपापत। जाली पत की
 वरुण सुनी गई। वरुण पर मगत किता
 और पत्रावली का कवलोका किता।
 फिरमें पाता, कि उत्साहित रूपके की
 किता गे. सु. गोचर डई है, जो
 परिधानित लेणी में लेने के कारण
 किता परिधानित नहीं की की राकली
 है। लोकन आम पंजापत को पावद किता
 जाता है, कि उषा कामि के मरु रस
 कदीपी रात में कामपत को आते पाते
 कत संधी वहां पावे। उषा में कोरी
 कामो कामवाली अपेक्षा नहीं है।
 पत कावद, समीत लो के ~~कावद~~
 कावद उपारुप किता जाता है।

अद्वैत मयते काम सुभाषी गीता।
 पत्रावली केरुण सुभाष डेकर वाक्येन ५५२ है।


 उपखण्ड अधिकारी
 विभाग